इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एण्ड फाइनैन्स का मासिक न्यूजलेटर प्रति माह 40/ रुपए
(आईएसओ 9001 : 2015 द्वारा प्रमाणित)

व्यावसायिक
उत्कृष्टता के
प्रति प्रतिबद्ध

आईआईबीएफ विजन

खंड : 11 अंक : 3 अक्तूबर, 2018 पृष्ठों की संख्या 17

विजन : बैंकिंग और वित्त के क्षेत्र में सक्षम व्यावसायिक शिक्षित एवं विकसित करना।

मिशन : प्राथमिक रूप से शिक्षण, प्रशिक्षण, परीक्षा, परामर्श और निरंतर आधार वाले व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों की प्रक्रिया के माध्यम से सुयोग्य और सक्षम बैंकरों एवं वित्तीय व्यावसायिकों का विकास करना।

इस अंक में

मुख्य घटनाएँ ----------2
बैंकिंग से संबन्धित नीतियाँ----------3
बैंकिंग जगत की घटनाएँ ----------4
नयी नियुक्तियाँ----------7
उत्पाद एवं गठजोड़ ----------7
विदेशी मुद्रा **----------7**
शब्दावली ----------8
वित्तीय क्षेत्र की बुनियादी जानकारी ----------9
संस्थान की प्रशिक्षण गतिविधियां ----------9
संस्थान समाचार ----------10
नयी पहलकदमी ---------- 14
बाजार की खबरें ----------15

इस प्रकाशन में समाविष्ट सूचना / समाचार की मदें सार्वजनिक उपयोग अथवा उपभोग हेतु विविध बाह्य स्रोतों/ मीडिया में प्रकाशित हो चुकी/चुके हैं और अब वे केवल सदस्यों एवं अभिदाताओं के लिए प्रकाशित की/ किए जा रही / रहे हैं। उक्त सूचना/समाचार की मदों में व्यक्त किए गए विचार अथवा वर्णित/उल्लिखित घटनाएँ संबन्धित स्रोत द्वारा यथा-अनुभूत हैं। इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एण्ड फाइनैन्स समाचार मदों/घटनाओं अथवा जिस किसी भी प्रकार की सच्चाई अथवा यथार्थता अथवा अन्यथा के लिए किसी भी प्रकार से न तो उत्तरदाई है, न ही कोई उत्तरदायित्व स्वीकार करता है।

मुख्य घटनाएँ

इण्डिया पोस्ट भुगतान बैंक की शुरूआत

माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने बैंकिंग को प्रत्येक परिवार तक पहुँचाने के लिए डाकघरों और लगभग 3 लाख डाकियों एवं ग्रामीण डाक सेवकों के बेमिसाल नेटवर्क के माध्यम से इण्डिया पोस्ट भुगतान बैंक (IPPB) की शुरूआत की। इन इण्डिया पोस्ट भुगतान बैंकों के परिचालन कोई ऋण जोखिम उठाए बिना अपेक्षाकृत छोटे पैमाने पर होंगे। यह 1 लाख रुपए तक की जमाराशियां स्वीकार करेगा, किन्तु ऋण नहीं प्रदान करेगा अथवा क्रेडिट कार्ड नहीं जारी करेगा। तथापि, यह विप्रेषण सेवाएँ, मोबाइल भुगतानों/अंतरणों/खरीदियों और एटीएम/डेबिट कार्डों, नेट बैंकिंग और अन्य पक्ष को निधि अंतरणों जैसी बैंकिंग सेवाएँ प्रदान करेगा।

इण्डिया पोस्ट भुगतान बैंकों में 100% का स्वामित्व सरकार के पास होगा, जो प्रौद्योगिकी प्लेटफार्मों का लाभ उठाएंगे तथा खाते खोलने के लिए आधार का उपयोग करेंगे, जबकि क्यूआर कार्ड और जीवसांख्यिकी (biometrics) अधिप्रमाणन, लेनदेनों एवं भुगतानों का संचालन करेंगे। ग्रामीण डाक सेवकों को लेनदेनों का संचालन करने के लिए स्मार्टफोनों और जीवसांख्यिकीय उपकरणों से लैस किया जाएगा। इण्डिया पोस्ट भुगतान बैंक बचत खातों पर 4% की ब्याज दर प्रदान करेगा। उसने ऋणों एवं बीमा जैसे अन्य पक्ष के उत्पादों के लिए पंजाब नैशनल बैंक और बजाज एलाएंज लाइफ

इंश्योरेंश से हाथ मिला लिया है। इण्डिया पोस्ट भुगतान बैंक 650 शाखाओं और 3,250 अभिगम केन्द्रों के माध्यम से उपलब्ध होगा।

सेबी ने विदेशी निवेशकों के लिए नियमों को आसान किये

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) ने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (FPIs) के लिए संशोधित अपने ग्राहक को जानिए (KYC) मानदंड जारी किया है जिसमें अनिवासी भारतीयों, विदेशों में निवास करने वाले भारतीय नागरिकों (OCIs) तथा निवासी भारतीयों को ऐसी कंपनियों में गैर-नियंत्रक हित रखने की अनुमति प्रदान की गई है। अनिवासी भारतीय/विदेशों में स्थित भारतीय नागरिक़/निवासी भारतीय की एकल और समग्र धारिता विदेशी पोर्टफोलियो निवेश में प्रबंधन के अधीन आस्तियों के क्रमश:25% और 50% से कम होने पर इन कंपनियों को कुछेक शर्तों के अधीन विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के ग्राहक बनने की अनुमति होगी।

बैंकिंग से संबन्धित नीतियाँ

भारतीय रिजर्व बैंक ने कटे-फटे करेंसी नोटों को बदलने के मानदंड आसान किए

शीर्ष बैंक ने भारतीय रिजर्व बैंक (नोट वापसी) नियम, 2009 को संशोधित करते हुये 2,000 रुपए, 200 रुपए और अन्य कमतर मूल्यवर्ग वाले करेंसी नोटों को आरभ करने के बाद कटे-फटे करेंसी नोटों के विनिमय मानदंड सरल कर दिया है। कटे-फटे अथवा दोषपूर्ण नोटों को मुद्रा की स्थिति के आधार पर पूर्ण अथवा आधे मूल्य पर भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालयों और देशभर में अभिहित बैंक शाखाओं में बदला जा सकता है।

आसान बाह्य वाणिज्यिक उधार मानदंडों से पूंजी अंतर्वाहों को बढ़ावा मिल सकता है

भारतीय रिजर्व बैंक ने एक निश्चित श्रेणी वाली फ़र्मों के लिए बाह्य वाणिज्यिक उधार (ECB) मानदंडों को शिथिल कर दिया है तथा भारतीय बैंकों को रुपए को अवलंब प्रदान करने हेतु पूंजी अंतर्वाहों को प्रेरित करने के लिए रुपए में मूल्यवर्गित (मसाला) बाँड़ों का विपणन करने की अनुमति दे दी है। तदनुसार विनिर्माण क्षेत्र में पात्र कंपनियों को (पूर्ववर्ती तीन वर्षों की अवधि के समक्ष) एक वर्ष की न्यूनतम परिपक्वता अवधि के साथ 50 मिलियन डालर या उसके समतुल्य रकम का बाह्य वाणिज्यिक उधार लेने की अनुमति होगी।

भारतीय रिजर्व बैंक ने चलनिधि बढ़ाने के लिए सांविधिक चलनिधि अनुपात घटाए

प्रणाली में अधिक चलनिधि उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों को अपने चलनिधि व्याप्ति अनुपात (LCR) की आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य से उनके सांविधिक चलनिधि अनुपात (SLR) के अपेक्षाकृत बड़े अंश का उपयोग करने की अनुमति दे दी है। इसप्रकार, बैंक अपनी सांविधिक चलनिधि अनुपात धारिताओं का 15% चलनिधि व्याप्ति अनुपात के लिए प्राप्त की जाने वाली सुविधा (FALLCR) शीर्ष के तहत अलग रख सकते हैं। चलनिधि व्याप्ति अनुपात के लिए प्राप्त की जाने वाली सुविधा में इस वृद्धि से बैंक पुनर्खरीद (repo) विंडो से उच्चतर गुणवत्ता वाली संपार्श्विक उधार लेने में समर्थ हो सकेंगे।

बैंकिंग जगत की घटनाएँ

बैंकों को भारतीय रिजर्व बैंक के निदेश : बैंक स्तर पर शिकायतों का निराकरण करने के लिए आंतरिक लोकपाल नियुक्त करें

भारतीय रिजर्व बैंक ने 10 से अधिक बैंकिंग बिक्री केंद्र रखने वाले सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों को ग्राहक शिकायतों का बैंक स्तर पर ही निराकरण करने के लिए आंतरिक लोकपाल (IO) नियुक्त करने का निदेश दिया है। आंतरिक लोकपाल योजना, 2018 के अनुसार उक्त आंतरिक लोकपाल उन ग्राहक शिकायतों की जांच करेगा जिन्हें

बैंक द्वारा आंशिक या पूर्ण रूप से अस्वीकार कर दिया गया है। आंतरिक लोकपाल योजना, 2018 के कार्यान्वयन पर निगरानी भारतीय रिजर्व बैंक के विनियामक पर्यवेक्षण के अलावा बैंक के आंतरिक लेखा-परीक्षा तंत्र द्वारा रखी जाएगी।

आंतरिक लोकपाल का नियत एवं अविस्तारणीय कार्यकाल तीन से पाँच वर्ष का होगा। आंतरिक लोकपाल को न तो पुनर्नियुक्त किया जा सकेगा, न ही उसे भारतीय रिजर्व बैंक की अनुमति के बिना हटाया जा सकेगा। उनके पारिश्रमिक का निर्धारण बैंक के बोर्ड की ग्राहक सेवा उप समिति द्वारा किया जाएगा। उक्त आंतरिक लोकपाल उसी बैंक का कोई अधिकारी नहीं हो सकता। उसे किसी अन्य बैंक अथवा विनियामकों से सेवानिवृत्त अथवा सेवारत उप महा प्रबन्धक और उससे ऊपर वाली श्रेणी से होना चाहिए।

ऋणों के सह-प्रवर्तन के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के मानदंड

भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (NBFCs) के बीच ऐसे सह-प्रवर्तन प्रतिमान/माडेल की घोषणा की है जिसके अधीन सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक (क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों और लघु वित्त बैंकों को छोडकर) गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी - जमा न स्वीकार करने वाली प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण (NBFC-ND-SIs) के साथ प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र आस्तियां सृजित करने हेतु ऋणों का सह-प्रवर्तन करने के लिए सहयोग कर सकते हैं। 20% का ऋण जोख़िम परिपक्वता तक प्रत्यक्ष एक्सपोजर के रूप गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों की बहियों पर होगा; शेष बैंक की बहियों पर होगा। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी को बैंक को इस आशय का एक वचन देना होगा कि ऋण की रकम में उसके अंशदान का निधीयन सह-प्रवर्तक बैंक अथवा भागीदार बैंक की किसी अन्य समूह कंपनी से ली गई उधार राशियों से नहीं किया गया है। गैर-बैंकिंग वित्तीय कफ़नी को उक्त एक्सपोजर के अपने अंश का मूल्य-निर्धारण करने की सुविधा प्राप्त होगी, जबकि बैंक अपने अंश का मूल्य-निर्धारण अपनी संबन्धित जोखिम वहन क्षमता/ उधारकर्ता के मूल्यांकन और भारतीय रिजर्व बैंक के विनियमों को ध्यान में रखते हुये करेगा।

बैंक गैर -बैंकिंग वित्तीय कंपनी के प्रति किसी दायित्वके बिना प्राथमिकता प्राप्त हैसियत का दावा कर सकता है। सह-प्रवर्तन ढांचे के अधीन विदेशी बैंकों द्वारा प्रदत्त ऋण केवल प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र आस्तियों के रूप में अर्हताप्राप्त ऋणों तक ही सीमित रहेंगे।

भारतीय रिजर्व बैंक ने शहरी सहकारी बैंकों के लघु वित्त बैंक बनने के बारे मेँ मानदंड जारी किए

50 करोड़ रुपए की निवल मालियत और जोखिम-भारित आस्तियों की तुलना मेँ 9% तथा उससे अधिक का पूंजी अनुपात (CRAR) बनाए रखने वाले शहरी सहकारी बैंक (UCBs) अब लघु वित्त बैंक (SFB) में स्वैच्छिक संक्रमण के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के पास आवेदन कर सकते हैं।

स्वैच्छिक संक्रमण हेतु भारतीय रिजर्व बैंक की ऑन-टैप योजना मेँ प्रवर्तकों द्वारा आवश्यक प्रलेखों और दो-तिहाई बहुमत द्वारा पारित सामान्य सभा के संकल्प तथा संक्रमण के लिए कार्रवाई करने हेतु निदेशक मण्डल को प्राधिकृत किए जाने से संबन्धित सूचना के साथ आवेदन किया जाना अपेक्षित होता है। सामान्य सभा के संकल्प मेँ उन प्रवर्तकों की पहचान की जानी चाहिए तथा उनका अनुमोदन भी किया जाना चाहिए जिन्हें लघु वित्त बैंक से संबन्धित दिशानिर्देशों के अनुसार प्रस्तावित लघु वित्त बैंक की कारोबारी संभाव्यता एवं व्यवहार्यता, आरक्षित नकदी निधि अनुपात/सांविधिक चलनिधि अनुपात से संबन्धित विवेकसम्मत मानदंडों के पालन, ऋण संविभाग और प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र की संरचना का समावेश करते हुये एक परियोजना रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होती है।

उक्त रिपोर्ट में शहरी सहकारी बैंक की आस्तियों एवं देयताओं के अंतरण के बाद कारबार प्रारम्भ की तिथि से जोखिम-भारित आस्तियों की तुलना में न्यूनतम 15% का पूंजी अनुपात बनाए रखने के उद्देश्य से पूंजी आवश्यकता की विस्तृत गणना शामिल की जानी चाहिए। इसके अतिरिक्त, आवेदन की उपयुक्तता का निर्धारण करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक अतिरिक्त मानदंड लागू करने हेतु स्वतंत्र है।

नई नियुक्तियाँ

नाम	पदनाम/संगठन
श्रीमती अंशुला कान्त	भारतीय स्टेट बैंक (SBI) की प्रबंध निदेशक के रूप मेँ नियुक्त
श्री मृत्युंजय महापात्र	सिंडीकेट बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी के रूप में नियुक्त
सुश्री पद्मजा चुंदुरु	इंडियन बैंक की प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी के रूप में नियुक्त
श्री करण सेकर	देना बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी के रूप मेँ नियुक्त
श्री गोपाल सिंह गुसाईं	यूनियन बैंक आफ इंडिया के कार्यपालक निदेशक के रूप मेँ नियुक्त
श्री अजय के॰ खुराना	सिंडीकेट बैंक के कार्यपालक निदेशक के रूप में नियुक्त

उत्पाद एवं गठजोड़

संगठन	जिस संगठन के साथ गठजोड़ हुआ	उद्देश्य
आईसीआईसीआई प्रूडेंसियल लाइफ इंश्योरेंश	सरस्वत को-आपरेटिव बैंक	सभी संरक्षण तथा आईसीआईसीआई प्रूडेंसियल लाइफ के बचत उत्पाद प्रदान करना।

विदेशी मुद्रा

विदेशी मुद्रा की प्रारक्षित निधियाँ

मद	21 सितंबर, 2018 के दिन बिलियन रुपए	21 सितंबर, 2018 के दिन मिलियन अमरीकी डालर
1. कुल प्रारक्षित निधियाँ	28,831.1	4,01,790.3
1.1 विदेशी मुद्रा आस्तियां	27,098.3	3,77,412.5

1.2 सोना	1,448.1	20,414.1
1.3 विशेष आहरण अधिकार	106.4	1, 481.0
1.4 अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष में प्रारक्षित निधि की स्थिति	178.4	2,482.7

स्रोत : भारतीय रिजर्व बैंक

अक्तूबर, 2018 माह के लिए लागू अनिवासी विदेशी मुद्रा (बैंक) की न्यूनतम दरें

विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) जमाराशियों की आधार दरें

मुद्रा	1 वर्ष	2 वर्ष	3 वर्ष	4 वर्ष	5 वर्ष
अमरीकी डालर	2.77800	2.97700	3.01090	3.02430	3.04700
जीबीपी	0.94490	1.1538	1.2764	1.3658	1.4392
यूरो	-0.23900	-0.100	0.087	0.236	**0.394**
जापानी येन	0.04880	0.074	0.095	0.123	0.156
कनाडाई डालर	2.40000	2.528	2.606	2.651	2.681
आस्ट्रेलियाई डालर	1.97000	2.050	2.143	2.399	2.496
स्विस फ्रैंक	-0.6100	-0.500	-0.333	-0.170	-0.024
डैनिश क्रोन	-0.09870	-0.0440	0.2173	0.3835	0.5383
न्यूजीलैंड डालर	1.98500	2.049	2.154	2.273	2.396
स्वीडिश क्रोन	-0.25300	-0.005	0.223	0.428	0.612
सिंगापुर डालर	1.89500	2.088	2.200	**2.280**	2.350
हांगकांग डालर	2.52000	2.740	2.850	2.910	2.960
म्यामार	3.72000	3.735	3.780	3.820	3.860

स्रोत : www.fedai.org.in

शब्दावली

विदेशी भारतीय नागरिकता (OCI)

विदेशी भारतीय नागरिकता भारतीय मूल के विदेशी नागरिक को भारतीय गणतन्त्र में अनिश्चित समय के लिए रहने और कार्य करने की अनुमति सहित एक आप्रवासन हैसियत होती है। विदेशी भारतीय नागरिकता की शुरूआत विशेषत: विकसित देशों में बिखरे हुये

भारतीय मूल के विदेशी नागरिकों (diaspora) द्वारा की जाने वाली मांगों के प्रत्युत्तर में की गई थी। इसकी शुरूआत अगस्त, 2005 में नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2005 द्वारा की गई थी।

वित्तीय क्षेत्र की मूलभूत जानकारी

घातांकी रूप से भारित चल औसत (EWMA)

विकल्प (Option) कीमत-निर्धारण में प्रयुक्त एक ऐसा प्रतिमान (model) जिसमें भार घातांकी रूप से भिन्न चर से जुड़े होते हैं। अद्यतन प्रेक्षण में अधिकतम भार होता है, तात्कालिक पिछले प्रेक्षण में दूसरा सर्वोच्च भार होता है और यह क्रम जारी रहता है।

संस्थान की प्रशिक्षण गतिविधियां

अक्तूबर/नवंबर माह के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

कार्यक्रम	**तिथियाँ**	**स्थान**
जेएआईआईबी - संपर्क कक्षा	16 - 17 अक्तूबर, 2018	प्रौद्योगिकी पर आधारित
बैंकिंग एवं वित्त में डिप्लोमा - संपर्क कक्षा		प्रौद्योगिकी पर आधारित
वित्तीय सेवाओं में जोखिम	22 - 24 अक्तूबर, 2018	प्रौद्योगिकी पर आधारित
प्रमाणित ऋण व्यावसायिक	22 - 24 अक्तूबर, 2018	नयी दिल्ली
	24 - 26 अक्तूबर, 2018	हैदराबाद
	26 - 28 अक्तूबर, 2018	कोलकाता
	29 - 31 अक्तूबर, 2018	चेन्नै
	29 - 31 अक्तूबर, 2018	मुंबई
दिवाला और दिवालियापन संहिता	एक दिवसीय कार्यशाला - 26 अक्तूबर, 2018	हैदराबाद
सीएआईआईबी - संपर्क कक्षा	27 अक्तूबर, 4 नवंबर, 11 नवंबर, 18 नवंबर, 24 नवंबर	बेंगलूर हैदराबाद चेन्नै

प्रमाणित खजाना व्यावसायिक	**30 अक्तूबर - 1 नवंबर, 2018**	**प्रौद्योगिकी पर आधारित**
ऋण निगरानी (औद्योगिक वाणिज्यिक अग्रिम/लघु और मध्यम उद्यम)	**1 - 3 नवंबर, 2018**	**मुंबई**
महा प्रबन्धकों/उप महा प्रबन्धको/ सहायक महा प्रबन्धकों के लिए सूचना प्रौद्योगिकी और साइबर सुरक्षा	**19 - 20 नवंबर, 2018**	**मुंबई**

संस्थान समाचार

परीक्षा शुल्क वसूल करने के नियमों मेँ परिवर्तन

संस्थान ने 1 जुलाई, 2017 से सेवा कर के स्थान पर माल एवं सेवा कर (GST) प्रणाली अपना ली है। एसोसिएट, डिप्लोमा और मिश्रित पाठ्यक्रमों के लिए परीक्षा शुल्क वसूल करने के पूर्ववर्ती नियम में यह निर्धारण था कि अभ्यर्थियों को दो प्रयासों के लिए परीक्षा शुल्क का भुगतान एक साथ करना होगा। माल एवं सेवा शुल्क प्रावधानों का पालन करने तथा कर भुगतान प्रबंधन को सरल बनाने के लिए शुल्क वसूल करने से संबन्धित नियम को पुनर्विन्यस्त किया गया है। अब संस्थान प्रत्येक प्रयास के लिए अभ्यर्थियों से परीक्षा शुल्क अलग-अलग वसूल करेगा। अतएव, अभ्यर्थियों को प्रत्येक प्रयास के लिए अलग-अलग पंजीकरण करवाना होगा।

''बैंकिंग: आगामी दशक मेँ पदार्पण'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

संस्थान ने 2018 में बैंकिंग उद्योग की 90 वर्षों की समर्पित सेवा पूरी कर ली है और इस अवसर का स्मरणोत्सव मनाने के लिए संस्थान ने 25 सितंबर, 2018 को होटल ट्राइडेंट, बांद्रा-कुर्ला काम्प्लेक्स, मुंबई में ''बैंकिंग: आगामी दशक में पदार्पण'' पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। उक्त सम्मेलन में विश्वभर के बैंकरों, वित्तीय व्यावसायिकों एवं उच्च पदाधिकारियों ने भाग लिया।

बैंकों में क्षमता निर्माण

भारतीय रिजर्व बैंक ने 11 अगस्त, 2016 की अपनी अधिसूचना के द्वारा यह अनिवार्य कर दिया है कि प्रत्येक बैंक के पास परिचालन के प्रमुख क्षेत्रों में उपयुक्त योग्यता/प्रमाणन सहित कर्मचारियों को परिनियोजित करने के लिए बोर्ड द्वारा अनुमोदित एक नीति होनी चाहिए। प्रारम्भिक तौर पर उन्होंने निम्नलिखित क्षेत्र अभिज्ञात किया है :

- **खजाना प्रबंधन : व्यापारी, मिड आफिस परिचालन।**
- **जोखिम प्रबंधन : ऋण जोखिम, बाजार जोखिम, परिचालन जोखिम, उद्यम-व्यापी जोखिम, सूचना सुरक्षा, चलनिधि जोखिम।**
- **लेखांकन – वित्तीय परिणाम तैयार करना, लेखा-परीक्षा कार्य।**
- ऋण प्रबंधन : ऋण मूल्यांकन, श्रेणी-निर्धारण, निगरानी, ऋण संचालन।

कालांतर में भारतीय रिजर्व बैंक के निदेश पर भारतीय बैंक संघ ने उपयुक्त संस्थाओं एवं ऐसे पाठ्यक्रमों की पहचान के लिए एक विशेषज्ञ दल का गठन किया था, जो आवश्यक प्रमाणन प्रदान कर सकें। इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैंस उनमें से एक तथा एकमात्र ऐसी संस्था है जो भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अभिज्ञात चार में से तीन क्षेत्रों में उक्त प्रमाणन प्रदान करती है।

इसके अतिरिक्त, भारतीय रिजर्व बैंक ने भारतीय बैंक संघ को संबोधित तथा प्रति इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैंस को पृष्ठांकित दिनांक 31 मई, 2017 के अपने पत्र के तहत यह कहा है कि **भारतीय विदेशी मुद्रा व्यापारी संघ के सहयोग से इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स द्वारा उपलब्ध कराया जाने वाला विदेशी मुद्रा में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम ऐसे** सभी बैंक कर्मचारियों, जो खजाना परिचालन सहित विदेशी मुद्रा परिचालन के क्षेत्र में कार्यरत है या कार्य करने के इच्छुक हैं, के लिए एक अनिवार्य प्रमाणन होगा।

संस्थान द्वारा खजाना परिचालन, जोखिम प्रबंधन और ऋण प्रबंधन के क्षेत्र में उपलब्ध कराये जाने वाले पाठ्यक्रम आनलाइन परीक्षा के साथ प्रकृति की दृष्टि से मिश्रित हैं जिसके बाद उनमें
ऐसे अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है जिन्होंने आनलाइन परीक्षा सफलतापूर्वक

उत्तीर्ण कर ली है। परीक्षा हेतु पंजीकरण और अधिक विवरण के लिए वेबसाइट

www.iibf.org.in.देखें।

चार्टर्ड बैंकर इंस्टीट्यूट, एडिनबर्ग, यू. के. के साथ पारस्परिक मान्यता करार

संस्थान को चार्टर्ड बैंकर इंस्टीट्यूट, एडिनबर्ग, यू॰ के॰ के साथ पारस्परिक मान्यता करार हस्ताक्षरित होने की घोषणा करते हुये प्रसन्नता होती है। इस करार के अधीन भारत स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकर्स के प्रमाणित सहयोगी (CAIIB) अपनी अर्हताओं को चार्टर्ड बैंकर इंस्टीट्यूट द्वारा मान्यता दिलवाएँगे तथा वे संस्थान के व्यावसायिकता, आचारशास्त्र एवं विनियम माड्यूल का अध्ययन करके और परावर्तक दायित्व को सफलतापूर्वक पूरा करके चार्टर्ड बैंकर बनने में समर्थ होंगे।

प्रौद्योगिकी पर आधारित कक्षा में समाधान

संस्थान ने प्रौद्योगिकी पर आधारित कक्षा वाली विधि के माध्यम से प्रशिक्षण संचालित करने हेतु एक साफ्टवेयर अभिगृहीत किया है। यह साफ्टवेयर गुणवत्ता में किसी प्रकार की कमी लाये बिना संस्थान को प्रशिक्षार्थियों की काफी बड़ी संख्या तक प्रशिक्षण सामग्री प्रसारित करने में समर्थ बनाएगा। वित्तीय सेवाओं में जोखिम में प्रौद्योगिकी पर आधारित प्रशिक्षण भी आरंभ कर दिया गया है। अधिक विवरण के लिए हमारी वेबसाइट www.iibf.org.in देखें।

परीक्षा के लिए छद्म जांच सुविधा

संस्थान अपने प्रमुख पाठ्यक्रमों यथा जेएआईआईबी और सीएआईआईबी के अलावा अपने तीन विशिष्टीकृत पाठ्यक्रमों नामत: प्रमाणित खजाना व्यावसायिक, प्रमाणित ऋण व्यावसायिक तथा वित्तीय सेवाओं में जोखिम के लिए छद्म जक्ष्च की सुविधा प्रदान कर रहा है। अब छद्म जक्ष्च में किसी भी बैंक का कर्मचारी शामिल हो सकता है।

वीडियो व्याख्यान अब यूट्यूब पर उपलब्ध

संस्थान द्वारा जेएआईआईबी के तीन अनिवार्य प्रश्नपत्रों और सीएआईआईबी के दो अनिवार्य प्रश्नपत्रों के लिए प्रदान की जाने वाली वीडियो व्याख्यान की सुविधा संस्थान के

आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध होगी। उसके लिए लिंक है https:/ www.youtube.com/channel/UCjfflktvEh8yLb3vwxosGow/playlists"

मुंबई और कोलकाता स्थित संस्थान के स्वयं अपने परीक्षा केन्द्रों में परीक्षाएँ

इसके पूर्व संस्थान सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (MSME), ग्राहक सेवा और धन-शोधन निवारण/आतंकवाद के वित्तीयन का मुक़ाबला नामक अपने तीन पाठ्यक्रमों के लिए प्रत्येक महीने के दूसरे और चौथे शनिवारों को मुंबई एवं कोलकाता स्थित स्वयं अपने परीक्षा केन्द्रों में परीक्षाएँ आयोजित करता था। **अब ऊपर वर्णित परीक्षाएँ प्रत्येक महीने के 1ले और 3रे शनिवारों को आयोजित की जाएंगी।** अभ्यर्थीगण अपनी पसंद की परीक्षा की तिथि एवं केंद्र का चयन कर सकते हैं। पंजीकरण पहले आए, पहले पाये के आधार पर होगा। उपर्युक्त पाठ्यक्रमों की परीक्षा का कार्यक्रम हमारी वेबसाइट www.iibf.org.in.पर उपलब्ध है।

आगामी अंकों के लिए बैंक क्वेस्ट की विषय-वस्तुएं

बैंक क्वेस्ट के आगामी अंक अक्तूबर - दिसंबर, 2018 के लिए निर्धारित विषय-वस्तु है :

जोखिम प्रबंधन और सूक्ष्म अनुसंधान आलेख 2017-18

परीक्षाओं के लिए दिशानिर्देशों /महत्वपूर्ण घटनाओं की निर्धारित तिथि

संस्थान में इस बात की जांच करने के उद्देश्य से कि अभ्यर्थी अपने –आपको वर्तमान घटनाओं से अवगत रखते हैं या नहीं प्रत्येक परीक्षा में कुछ प्रश्न हाल की घटनाओं/ विनियामक/कों द्वारा जारी दिशानिर्देशों के बारे में पूछे जाने की परंपरा है। हालांकि, घटनाओं/दिशानिर्देशों में प्रश्नपत्र तैयार किए जाने की तिथि से और वास्तविक परीक्षा तिथि के बीच की अवधि में कुछ परिवर्तन हो सकते हैं। इन मुद्दों का प्रभावी रीति से समाधान करने के लिए यह निर्णय लिया गया है कि :

(i) संस्थान द्वारा फरवरी, 2017 से जुलाई, 2017 तक की अवधि के लिए आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं के संबंध में प्रश्नपत्रों में समावेश के लिए विनियामक/कों द्वारा जारी अनुदेशों/दिशानिर्देशों

और बैंकिंग एवं वित्त के क्षेत्र में 31 दिसंबर, 2016 तक की महत्वपूर्ण घटनाओं पर ही विचार किया जाएगा।

(ii) संस्थान द्वारा अगस्त, 2017 से जनवरी, 2018 तक की अवधि के लिए आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं के संबंध में प्रश्नपत्रों में समावेश के लिए विनियामक/कों द्वारा जारी अनुदेशों/दिशानिर्देशों
और बैंकिंग एवं वित्त के क्षेत्र में 30 जून, 2017 तक की महत्वपूर्ण घटनाओं पर ही विचार किया जाएगा।

नई पहलकदमी

सदस्यों से अनुरोध है कि वे संस्थान के पास मौजूद उनके ई-मेल पते अद्यतन करा लें तथा वार्षिक रिपोर्ट ई-मेल के जरिये प्राप्त करने हेतु अपनी सहमति भेज दे।

आईआईबीएफ विजन के स्वामित्व और अन्य विवरणों से संबन्धित वर्णन
इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स का जर्नल

1. प्रकाशन स्थल	: मुंबई
2. प्रकाशन की आवधिकता	: मासिक
3. प्रकाशक का नाम	: डा॰ जिबेन्दु नारायण मिश्र
राष्ट्रीयता	: भारतीय
पता	: इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स कोहिनूर सिटी, कामर्शियल- II, टावर 1, किरोल रोड, कुर्ला (प), मुंबई- 400 070
4. संपाद्क का नाम	: डा॰ जिबेन्दु नारायण मिश्र
राष्ट्रीयता	: भारतीय
पता	: इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स

कोहिनूर सिटी, कामर्शियल- II, टावर 1,
किरोल रोड, कुर्ला (प), मुंबई- 400 070

5 प्रिन्टिंग प्रेस का नाम : आनलुकर प्रेस, 16 सासून डाक, कोलाबा,
मुंबई- 400 005

15

6. स्वामियों के नाम एवं पता : इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स
कोहिनूर सिटी, कामर्शियल- II, टावर 1,
किरोल रोड, कुर्ला (प), मुंबई- 400 070

मैं, डा॰ जे॰ एन॰ मिश्र, एतदद्वारा यह घोषणा करता हूं कि ऊपर दिये गए विवरण मेरी सर्वोत्तम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार सत्य हैं।

31-03-2017 डा॰ जे॰ एन॰ मिश्र
प्रकाशक के हस्ताक्षर

समाचार पंजीयक के पास आरएनआई संख्या 69228/1998 के अधीन पंजीकृत

बाजार की ख़बरें

भारित औसत मांग दरें

6.6
6.4
6.2
6
5.8
5.6
5.4

अप्रैल, 2018, मई, 2018, जून, 2018, जुलाई, 2018, अगस्त, 2018, सितंबर, 2018
स्रोत : भारतीय समाशोधन निगम न्यूजलेटर, सितंबर, 2018

भारतीय रिजर्व बैंक की संदर्भ दर

100
95
90

85 अमरीकी डालर
80 **जीबीपी**
75 **यूरो**
70 **येन**
65
60
55
50

अप्रैल, 2018, मई, 2018, जून, 2018, जुलाई, 2018, अगस्त, 2018, सितंबर, 2018
स्रोत : फाइनैन्सियल बेंचमार्क बोर्ड आफ इंडिया लिमिटेड (FBIL)

खाद्येतर ऋण वृद्धि %

16
14
12
10
8
6
2
0

मार्च, 2018, अप्रैल, 2018, मई, 2018, जून, 2018, जुलाई, 2018
स्रोत : मंथली रिव्यू आफ इकानामी, भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड, सितंबर, 2018

बंबई शेयर बाजार सूचकांक

40000.00
38000.00
36000.00
34000.00

32000.00
30000
28000
26000

17

अप्रैल, 2018, मई, 2018, जून, 2018, जुलाई, 2018, अगस्त, 2018, सितंबर, 2018
स्रोत : बंबई शेयर बाजार (B S E)

समग्र जमा वृद्धि %

10
9
8
7
6
5
4
3
2
1
मार्च, 2018, अप्रैल, 2018, मई, 2018, जुलाई, 2018, अगस्त, 2018, सितंबर, 2018
स्रोत : मंथली रिव्यू आफ इकानामी, भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड, सितंबर, 2018

डा॰ जे॰ एन॰ मिश्र द्वारा मुद्रित, डा॰ जे॰ एन॰ मिश्र द्वारा इंडियन इंस्टिट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स की ओर से प्रकाशित तथा आनलुकर प्रेस, 16 सासुन डाक, कोलाबा, मुंबई- 400 018 में मुद्रित एवं इंडियन इंस्टिट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स, कोहिनूर सिटी, कामर्शियल-II, टावर-1, 2री मंजिल, किरोल रोड, कुर्ला (पश्चिम),,मुंबई – 400 070 से प्रकाशित।
संपादक : डा॰ जे॰ एन॰ मिश्र

इंडियन इंस्टिट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स
कोहिनूर सिटी, कामर्शियल-II, टावर-1, 2री मंजिल,
किरोल रोड, कुर्ला (पश्चिम), ,मुंबई – 400 070
टेलीफोन : 91-22-2503 9604/ 9607 फैक्स : 91-22-2503 7332
तार : INSTIEXAM ई-मेल : admin@iibf.org.in.
वेबसाइट : www.iibf.org.in.

आईआईबीएफ विजन अक्तूबर, 2018